भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर-2023-24

Cl-8- 2nd Lang	**विभाग: हिंदी**	**Date – 02.08.23**
प्रश्न बैंक	**दीवानों की हस्ती**	**Note: Pl. file in portfolio**

नाम: _____अनुभाग: _____अनुक्रमांक:

अतिलघु प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1 कवि सुख और दुःख को किस भाव से ग्रहण करता है?

उत्तर - कवि सुख और दुःख को समान भाव से ग्रहण करता है।

प्रश्न-2. कवि किस बात के लिए संघर्षरत रहता है?

उत्तर - कवि समाज की भलाई के लिए हमेशा संघर्षरत रहता है।

प्रश्न-3 कविता पढ़कर कवि की क्या-क्या विशेषताएँ स्पष्ट होती हैं?

उत्तर - विशेषताएँ- दीवाना, मस्ताना, सुख-दुःख बाँटने वाला, उल्लास से भरा हुआ इत्यादि ।

प्रश्न-4 कवि जग को अपना क्या योगदान देना चाहता है?

उत्तर - कवि लोगों में खुशियाँ बाँटना चाहता है। वह लोगों के मन से दुख और भय जैसे भावों को दूर करना चाहता है।

लघु प्रश्नोत्तर

प्र॰1. कवि क्या तोड़ने की बातें कर रहा है

उत्तर-कवि अपने और पराये की जिस भावना में बंधा हुआ था वह उस बंधन को तोड़ना चाहता है| इसे तोड़ने पर ही सच्चे अर्थों में ख़ुशी प्राप्त की जा सकती है |

प्र॰2. कविता में ऐसी कौन-सी बात है जो आपको सब से अच्छी लगी?

उत्तर - इस कविता में कवि का अपने ढंग से जीवन जीना तथा चारों ओर प्यार और खुशियाँ बाँटना सबसे अच्छा लगा। कवि अपने जीवन की असफलता के लिए किसी अन्य को दोषी नहीं मानता, यह भी अच्छा लगा।

प्र.3. कवि ने अपने जीवन को मस्त क्यों कहा है?

उत्तर -कवि को दुनिया की कोई परवाह नहीं है। न तो उसे किसी बात का दुःख है और न ही किसी बात की खुशी। उसका रुकने का कोई निश्चित स्थान नहीं है। यही कारण है कि कवि ने अपने जीवन को मस्त कहा है।

प्र.4. लोगों के जीवन में कवि क्या बनकर आता है?

उत्तर- लोगों के जीवन में कवि प्यार बनकर आता है | वह केवल प्यार बाँटना चाहता है| वह लोगों के दुख और उदासी को दूर कर उन्हें ख़ुशी देना चाहता है |

दीर्घ प्रश्नोत्तर

प्र॰1. कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बन कर बह जाना' क्यों कहा है?

उत्तर – कवि खुद के आने को उल्लास इसलिए कहते हैं क्योंकि वे जहाँ भी जाते हैं खुशियाँ फैलाते हैं तथा अपने जाने को आँसू बनकर बह जाना इसलिए कहते हैं क्योंकि इतनी खुशियों के बाद जब वे जाते हैं तो उनकी याद में लोगों की आँखों से आँसू आने लगते हैं।

प्रश्न.2. भिखमंगों की दुनिया में बेरोक प्यार लुटानेवाला कवि ऐसा क्यों कहता है कि वह अपने हृदय पर असफलता का एक निशान भार की तरह लेकर जा रहा है? क्या वह निराश है या प्रसन्न है?

उत्तर - यहाँ भिखमंगों की दुनिया से कवि का आशय है कि यह दुनिया केवल लेना जानती है देना नहीं। कवि ने भी इस दुनिया को प्यार दिया पर उसे उतना प्यार नहीं मिला जितना वह चाहता है। यह उसके लिए असफलता है। इसलिए वह अपने हृदय पर असफलता का निशान भार की तरह लेकर जा रहा है। अत: कवि निराश है, वह मानता है कि लोगों के जीवन में प्यार और खुशियाँ भरने में वह असफल रहा।